

सुलेख प्रतियोगिता

2023-24

नाम- नेहा शैरी
कक्षा- ६ (अ+१)
अनु०- ११
सदन- पंचायली
दिनांक- ६/जून/२३



द्वितीय-चरण

एक राजा के दो पुत्र थे, दोनों अपने
बड़े ही निपुण थे, एक पुत्र सज्जन तो दूसरा
दुराचारी था। राजा की बातों को दोनों ही गौण
मनते थे, परंतु उसका पालन नहीं करते थे।
राजा के द्वारा यही समझाया जाता था
दोनों आपस में मिलजुल कर रहो, परंतु जो
सज्जन था उसका कहना था कि यह दुष्क
रना छोड़ दे तो मैं इससे मिलजुल कर रह

लेकिन दुराचारी का कहना था कि
तुम से हाथ जोड़कर बात करना छोड़ दे तो मैं
तुम में मिलजुल कर रहूंगा, राजा इस बातों को
बहुत चिंतित थे, अब राजा की उपाधि दोनों
केसी एक को देनी थी, क्योंकि राजा

जो जितनी कम अनाज की खर्च करे-
 सी को राजगद्दी प्राप्त होगी, सुपात्र औ-
 -पात्र पुत्रों ने अपने-अपने कार्यों में ल-
 जब पुनः सभा में दोनों पुत्रों को बुलाया
 तो राजाने सबसे पहले अपने कुपात्र
 से पूछा कि तुमने कितना अनाज को
 किया? उसने कहा रती भर नहीं।

फिर सुपात्र पुत्र से पूछा कि तुम-
 -तना अनाज खर्च किया? उसने क
 रा अनाज खर्च कर दिया और पुनः
 के दस गुना अनाज एकत्रित भी
 -या, तब राजाने अपने

M. Bisht

... समाप्त ...



मुलेख प्रतियोगिता

• सत्र 2023-24 •

मानक	पूर्णांक	प्राप्तांक
• वर्णों का आकार	08	X
• विराम चिन्हों का प्रयोग	02	2
• गति	04	X
• शुद्ध लेखन	02	09 $\frac{1}{2}$
• समपूर्ण कार्य शैली	03	3
• पूर्णांक	20	$\frac{9 \frac{1}{2}}{20}$



नाम-साधना मेहरा
कक्षा- 'C' 'अव'
अनुक्रमांक - 6 (नौ)
सदन - ओ३म
दिनांक - ६ जून 2023

• एक राजा के दो पुत्र थे, दोनों अपने आप में बड़े ही निपुण थे, एक पुत्र सज्जन तो दूसरा दुराचारी था, राजा की बातों को दोनों ही गौर से सुनते थे, परंतु उसका पालन नहीं करते थे, क्योंकि राजा के द्वारा यही समझाया जाता था कि दोनों आपस में मिलजुल कर रहे, परंतु जो पुत्र सज्जन था उसका कहना था कि यह दृष्टता करना छोड़ दे तो मैं इससे मिलजुल कर रहूंगा,

• लेकिन दुराचारी का कहना था कि दोनों ये दूसरों से हाथ जोड़कर बात करना छोड़ दे तो मैं आपस में मिल जुल कर रहूंगा, राजा इस बातों को लेकर बहुत चिंतित थे, अब राजा की उपाधि दोनों में से दोनों पुत्रों को राजकुमार के राजदरबार में बुलाया और सबके सामने यह घोषणा की कि अगर मेरे द्वारा ली गई परीक्षा में जो सफल होगा उसी को यह राजगद्दी प्राप्त होगी, इस बात से दोनों पुत्रों ने भी अपनी सहमति जताई।

• राजा का प्रश्न था कि ये राजकोष से जो जितनी कम अनाज की खर्च करेगा उसी को राजगद्दी प्राप्त होगी, सुपात्र और कूपात्र पुत्रों ने अपने-अपने कार्यों में लग गए, जब पुनः सभा में दोनों पुत्रों को बुलाया गया तो राजा ने सबसे पहले अपने कूपात्र पुत्र से पूछा कि तुमने अनाज को खर्च किया? उसने कहा रती भर नहीं,

• फिर सुपात्र पुत्र से पूछा कि तुमने कितना अनाज खर्च किया? उसने कहा पूरा खर्च कर दिया और पुनः उसके दस गुना अनाज शर्कित भी कर लिया, तब राजा ने अपने सुपात्र पुत्र को राजगद्दी पर बैठाया और अपने कूपात्र पुत्र से कहा कि तुम इस राजगद्दी के लोभ में मजदूरों को शूखा रख कर उतने अनाज को बचाओ हो और इसे शूखे को भोजन कराकर पुनः उनसे दस गुना अधिक अनाज प्राप्त कर लिया है, इसलिये यह राजगद्दी का श्रेय मेरे सुपात्र पुत्र को जाता है,

• यह एक विचित्र कथा है। एक समय एक मनुष्य ने अपने हाथों अंगुलियों का मत जानना चाँहिए कि आँखिर वे आपस में कैसे रहते हैं? सबसे पहले उसने अंगूठे से पूछा तो अंगूठा ने उत्तर देते हुए कहा कि अगर हम नहीं होते तो किसी को मजबूती से पकड़ना मुश्किल होता। फिर मनुष्य ने तर्जनी अंगुली का मत जानना चाँहा तो तर्जनी अंगुली के तरफ से उत्तर आया कि अगर हम नहीं होते तो मानव मार आ सकता है।

• क्योंकि मैं ही किसी को उसकी औकात में रहने के लिए उत्सुक करता हूँ। फिर मनुष्य ने मध्यमा अंगुली से पूछा कि तुम्हारा क्या मत है? मध्यमा अंगुली ने उत्तर देते हुए कहा कि अगर मैं नहीं होता तो मानव के कुछ गुप्त कार्य स्थगित हो जाते। अब बारी आई अनामिका अंगुली की अनामिका अंगुली ने उत्तर देते हुए बोली की,

समाप्त....

★ तृतीय स्थान III



६/६/२३

हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता २०२३-२४

नाम- नेहा रावल
 कक्षा- ८ अ३
 संद्वन- नंदकोट
 अनु०- ६

६ जून २३

१. अक्षरों की बनावट,
२. कार्यशैली व स्पष्टता,
३. गति, परीक्षण
४. शुद्धता
५. विराम चिन्हों का प्रयोग,

	
02	8
02	2
04	3
02	02
02	02

वि. अ० ह.

कुल प्राप्तांक १३
20

• एक राजा के दो पुत्र थे। दोनों अपने आप में बड़े ही निपुण थे। एक पुत्र सज्जन तो दूसरा पुत्र दुराचारी था। राजा की बातों को दोनों ही गौर से सुनते थे। परंतु उसका पालन नहीं करते थे। क्योंकि राजा के द्वारा यही समझाया जाता था कि दोनों आपस में मिलजुल कर रहो। परंतु जो पुत्र सज्जन था उसका कहना था कि यह दुष्टता करना छोड़ दे तो मैं इससे मिलजुल कर रहूंगा।

• लेकिन दुराचारी का कहना था कि ये दूसरों से हाथ जोड़कर बात करना छोड़ दे तो मैं आपस में मिलजुल कर रहूंगा। राजा इस बातों चिंतित थे। अब राजा की उपाधि दोनों में से किसी एक को देनी थी। क्योंकि राजा अब राजगद्दी के योग्य नहीं रह गए थे। राजा ने अपनी अर्धांगिनी से ये सब बातें बताईं और कहा कि किस प्रकार निर्णय किया जाए मुझे कुछ नहीं सूझ रहा है।

• तभी रानी ने राजा का धैर्य बढ़ाते हुए बोली कि स्वामी दोनों की परीक्षा ली जाए और उसमें जो सफल होगा उसी को यह राजगद्दी पर अधिकार होगा। महाराज इस बात से सहमत हो गए। राजा ने अपने दोनों पुत्रों को राजदरबार में बुलाया और सबके सामने यह घोषणा की कि अगर मेरे द्वारा ली गई परीक्षा में जो सफल होगा उसी को यह राजगद्दी प्राप्त होगी। इस बात से दोनों पुत्रों ने भी अपनी सहमति जताई।

• राजा का प्रश्न था कि ये राजकोष से जो जितनी कम अनाज की खर्च करेगा उसी को राजगद्दी प्राप्त होगी। सुपात्र पुत्रों ने अपने-अपने कार्यों में लग गए। जब पुनः सभा में दोनों पुत्रों को बुलाया गया तो राजा ने सबसे पहले अपने कुपात्र पुत्र से पूछा कि तुमने कितना अनाज को खर्च किया? उसने कहा राती भर नहीं।

• फिर सुपात्र पुत्र से पूछा कि तुमने कितना अनाज खर्च किया? उसने कहा पूरा खर्च कर दिया और पुनः उसके दस गुना अनाज स्कन्धित भी कर दिया। तब राजा ने अपने सुपात्र पुत्र को राजगद्दी पर बैठाया और अपने कुपात्र पुत्र से कहा कि तुम इस राजगद्दी के लोभ में मजदूरों को भूखे रख कर उतने अनाज को बचाए हो और इसने भूखे को भोजन करा कर के पुनः उनसे दस गुना अधिक अनाज प्राप्त कर लिया है। इसलिये यह राजगद्दी का श्रेय मेरे सुपात्र पुत्र को जाता है।

• यह एक विचित्र कथा है। एक समय एक मनुष्य ने अपने हाथों की उंगलियों का मत जानना चाहा कि आखिर वे आपस में कैसे रहते हैं? सबसे पहले उसने अंगूठे से पूछा तो अंगूठा ने उत्तर देते हुए कहा कि अगर हम नहीं होते तो किसी को मजबूती से पकड़ना मुश्किल होता। फिर मनुष्य ने तर्जनी अंगुली का मत जानना चाहा तो तर्जनी उंगली के तरफ से उत्तर आया कि अगर हम नहीं होते तो मानव मार खा सकता है।

... समाप्त



POSITION I First



ENGLISH WRITING COMPETITION
2nd PHASE
2023-24

CRITERIA

S.N	KINDS	M.M.	O.M.
1.	FONT SHAPE	08	8
2.	PUNCTUATION MARKS	02	2
3.	SPEED	05	4
4.	ACCURACY	02	02
5.	OVER ALL	03	3
	TOTAL	20	19 20

(Good)

T. SIGN.

NAME :- SONT SHAH
CLASS :- 8 th
ROLL.No :- 11 'Eleven'
HOUSENAME :- Trishul
DATE :- 9/JUNE/23
SECTION :- A2 'B'

Watching is meditation. What you watch is irrelevant. You can watch the trees, you can watch the river, you can watch the clouds, and you can watch children playing around. Watching is meditation - on what you watch is not the point; the object is not the point. The quality of observation, the quality of being aware and alert - that's what meditation is. Remember one thing; meditation means awareness. Whatever you do with awareness is meditation. Action is not the question, but the quality that you bring to your action is. Walking can be a meditation if you walk alert. Sitting can be a meditation if you sit alert. Listening to the birds can be a meditation if you listen with awareness. Just listening to the inner voice of your mind in so inner voice of your mind can be a meditation if you remain alert and watchful. The whole point is one should not move in sleep. Then whatever you do is meditation.

The first step in awareness is to be very watchful of your body. Slowly, and because alert about each gesture, and each movement. And as you become aware, a miracle starts happening; many things that you used to do before simply disappear; your body becomes more relaxed, your body becomes more attuned. A deep peace starts prevailing even in your body becomes more relaxed, your body becomes more attuned. A deep peace starts prevailing even in your body; subtle music pulsates in your body. Then, start becoming aware of your thoughts; the same has to be done with emotions; you will be surprised at what goes on inside you. If you write down whatever is going on at any movement, you are in for a great surprise. You will not believe that

this is what is going on inside you. And ten minutes later, read it - you will see a mad mid inside you. And ten. Because we are not aware, this whole madness goes on running like an undercurrent.

It affects whatsoever you are doing; it affects everything. And the sum total of it is going to be your life! So this madman has to be changed. And the miracle of awareness is that you need not do anything except just because aware. The very phenomenon of watching it changes it slowly the madman disappears, and slowly the thoughts start falling into a certain pattern; their chaos is no more; they become more of the cosmos. And then again, a deeper peace prevails.

And when your body and your mind are at peace, you will see that they are attuned to each other, too; there is a bridge. Now they are not running in different directions; they are not riding different horses. For the first time, there is an accord, and that accord helps immensely to work on the step, which is becoming aware of your feelings, emotions, and moods.

NAME :- SANTOSH

CLASS :- 8th

Roll No :- 21

House Name :-

DATE :- 21/06/12

SECTION :- B2/D1

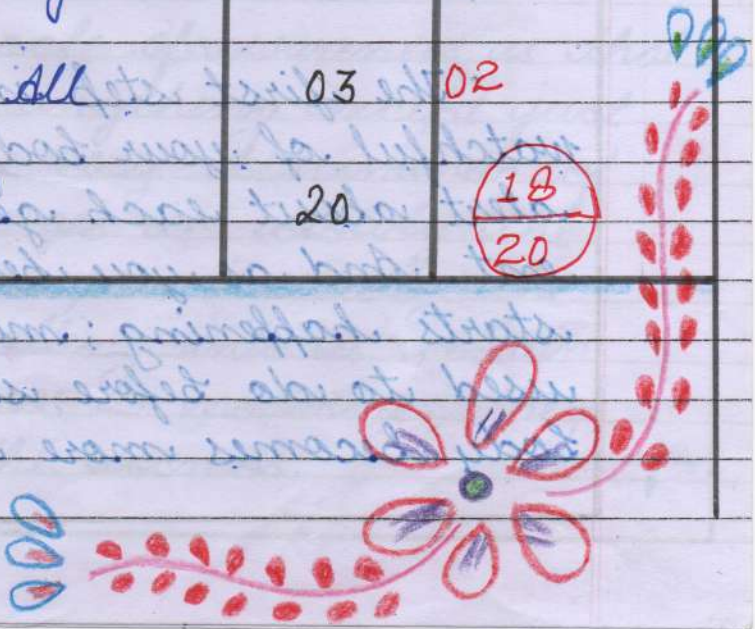
09. JUNE 23

Date..... Page.....

English Writing Competition
2nd Phase
2023-2024

Name - Ancha Sithani
 Class - 8th
 Section - 'A'
 House - Nandakot.
 T. sign -

S.No	Contents	M.M	A.M
1.	Font shape	08	07
2.	Punctuation	02	02
3.	Speed	05	05
4.	Accuracy	02	02 (Good)
5.	Over All	03	02
6.	Total	20	<div style="border: 1px solid red; border-radius: 50%; padding: 5px; display: inline-block;"> 18 20 </div>



200802 II POSITION ☆
Date..... Page.....

• Watching is meditation. What you watch is irrelevant. You can watch the trees, you can watch the river, you can watch the clouds, and you can watch children playing around. Watching is meditation. What you watch is not the point; the object is not the point. The quality of observation, the quality of being aware and alert - that's what meditation is. Remember one thing; meditation means awareness. Whatever you do with awareness is meditation.

Action is not the question, but the quality that you bring to your action is. Walking can be a meditation if you walk alert. Sitting can be a meditation if you sit alert. Listening to the birds can be a meditation if you listen with awareness. Just listening to the inner voice of your mind can be a meditation if you remain alert and watchful. The whole point is one should not move in sleep. Then whatever you do is meditation.

• The first step in awareness is to be very watchful of your body. Slowly, one becomes alert about each gesture, and each movement. And as you become aware, a miracle starts happening; many things that you used to do before simply disappear; your body becomes more relaxed, your body



POSITION

III

Third

RANKA

DATE / /

PAGE

WRITING COMPETITION

2023-24

NAME - Priyanshu - Karki

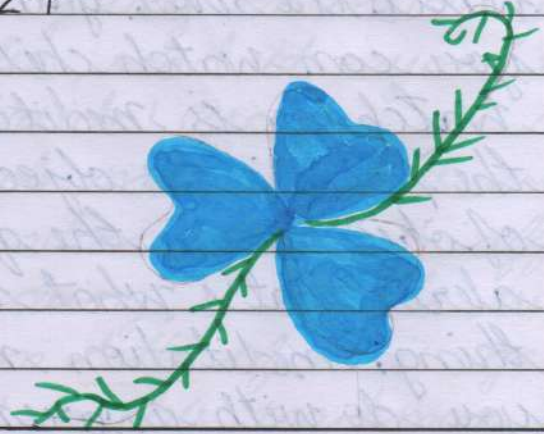
CLASS - 7th 'B'

ROLL-NO - 24

SUB - English

HOUSE - Panchachuli

DATE - 9-5-23



1	Letter Shape and size	04	03
2	Formation of letters	04	03
3	Speed	04	03
4	Accuracy	0 2	0 $\frac{1}{2}$
5	Use of Punctuation Mark	04	04

14
18

Watching is meditation. What you watch is irrelevant. You can watch the trees, you can watch the river, you can watch the clouds, and you can watch children playing around. Watching is meditation. What you watch is not the point; the object is not the point. The quality of observation, the quality of being aware and alert—that's what meditation is. Remember one thing; meditation means awareness. Whatever you do with awareness is meditation. Action is not the question, but the quality that you bring to your action is. Walking can be a meditation if you walk alert. Sitting can be a meditation if you sit alert. Listening to the birds can be a meditation if you listen with awareness. Just listening to the inner voice of your mind can be a meditation if you remain alert and watchful. The whole point is one should not move in sleep. Then whatever you do is meditation.

The first step in awareness is to be very watchful of your body. Slowly, one becomes alert about each gesture, and each movement. And as you become aware, a miracle starts happening; many things that you used to do before simply disappear; your body becomes more relaxed, your body then starts becoming aware of your thoughts; the same has to be done with emotions; you will be surprised at what goes on inside you. If you sit down whatever